



शैक्षणिक उत्सव 2023-2024

एचडीसीएस विभाग

एचडीसीएस विभाग ने फरवरी 2023 में दो दिवसीय शैक्षणिक महोत्सव का आयोजन किया। यह इस वर्ष एक प्रमुख कार्यक्रम था क्योंकि वॉयस - द मेंटल हेल्थ सोसाइटी अपनी पांचवीं वर्षगांठ मना रही थी और इसके उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया, वे रोमांचक बातचीत का अधिकतम लाभ उठाने के लिए उत्सुक थे। छात्रों के लिए आयोजित किए गए कुछ सत्रों में माइंडफुलनेस और मानसिक स्वास्थ्य, कहानी सुनाना, लिंग और विकलांगता पर व्याख्यान, प्रतियोगिताएं और कार्यशालाएं शामिल थीं।

अकादमिक उत्सव के पहले दिन की शुरुआत डॉ. संजना साइमन की बेहद दिलचस्प बातचीत से हुई। "ट्रांसिडिंग बाउंड्रीज़: एक्सप्लोरिंग लिब्ड एक्सपीरियंस एंड द ट्रांसजेंडर एक्ट 2019" शीर्षक वाली बातचीत में, उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया जिसके कारण वह वह व्यक्ति बन पाई जो वह आज हैं।

इस सत्र के बाद सुश्री प्रांजली नज़रिया द्वारा LGBTQIA+ और भलाई पर एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने एलजीबीटीक्यूआईए+ के संक्षिप्त नाम और कामुकता के महत्व और इसकी समझ के बारे में बात की जो आज लोगों के पास है और इसे भलाई के महत्व से जोड़ते हैं। इस बातचीत के बाद भारत में ट्रांसजेंडरों के जीवन पर केंद्रित एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया।

शैक्षणिक उत्सव के दौरान आयोजित एक और बहुत ही दिलचस्प सत्र लैंगिक समानता और समानता के लिए जीवन कौशल शिक्षा पर था, जिसका संचालन सुश्री गीतिका अग्रवाल ने 'रूम टू रीड' से किया। इस सत्र में लैंगिक समानता और समानता के बारे में बात की गई और कॉलेज के छात्रों को विविधता के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया गया समुदाय।

दिन का समापन एक प्रतियोगिता के साथ हुआ - बचपन की बहुरूपदर्शक छवियाँ - विविधता का एक फोटोग्राफिक उत्सव।

मनस्थिति नामक दूसरा दिन भी उतना ही दिलचस्प दिन था।

इसकी शुरुआत दिल्ली स्टोरी टेलर्स ट्राइब की सुश्री अर्चना चंदेल द्वारा कहानी कहने की कला पर एक सत्र से हुई। उन्होंने कहानी कहने की जापानी कला और स्ट्रीट थिएटर - कामिशीबाई पर ध्यान केंद्रित किया। यह कला एक कथाकार द्वारा लिखित प्रदर्शन के साथ मानक आकार के सचित्र कार्डों के एक सेट को जोड़ती है। यह सत्र प्रारंभिक बचपन और विकास के साथ-साथ सामग्री विकास का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए बहुत उपयोगी था।

दूसरे दिन कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें शामिल हैं -

- कहो कहानी - एक कहानी कहने की प्रतियोगिता
- शटरबग स्टिग्मा - फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- इमोटिकॉन - कॉमिक स्ट्रिप प्रतियोगिता
- अनकही - ओपन माइक प्रतियोगिता
- बेदियान - रंगमंच प्रतियोगिता

इनमें से प्रत्येक प्रतियोगिता मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से संबंधित मुद्दों और जागरूकता पर केंद्रित थी।

दिन के अंत में सुश्री सोनम सचदेवा द्वारा 'विकलांगता के प्रति संवेदनशीलता' पर एक सत्र भी आयोजित किया गया।

अकादमिक उत्सव का समापन संगीत थैरेपी पर विभिन्न सत्रों के माध्यम से हुआ जहां सुश्री सना अरोड़ा, श्री ऋत्विक् और श्री कुणाल ठाकुर द्वारा भावपूर्ण संगीत प्रस्तुतियाँ दी गईं।








DEPARTMENT OF HUMAN DEVELOPMENT AND CHILDHOOD STUDIES
INSTITUTE OF HOME ECONOMICS
UNIVERSITY OF DELHI

Academic Fest, 2023

DEPARTMENT OF HUMAN DEVELOPMENT AND CHILDHOOD STUDIES

- 01 **APPROACHING COMMUNITIES: ADAPTING TOOLS FOR MAKING MEANING**
- 02 **MERA BACHPAN**
- 03 **GETTING TO KNOW ME**
- 04 **LAWS FOR WOMEN AND CHILDREN: NOISE, VOICE AND THE CHANGE**
- 05 **LIFE SKILLS EDUCATION FOR GENDER EQUALITY IN SCHOOLS**

DEPARTMENT OF HUMAN DEVELOPMENT AND CHILDHOOD STUDIES
INSTITUTE OF HOME ECONOMICS
UNIVERSITY OF DELHI

presents

ACADEMIC FEST 2024

22 FEBRUARY 2024
23 FEBRUARY 2024

EVENTS

22 FEBRUARY 2024	23 FEBRUARY 2024
THEATRE PERFORMANCE	ART OF STORYTELLING
TRANSGENDER ACT, 2019	COGNITIVE TASKS FOR MENTAL HEALTH
LGBTQIA+ AND WELLBEING	MUSIC THERAPY
LIFE SKILLS EDUCATION	COMPETITIONS
COMPETITIONS • PHOTOGRAPHY • STORYTELLING	• OPEN MIC • PCOMIC STRIP • PHOTOGRAPHY • SOLO ACT THEATRE

PATRON
PROF. (Dr.) RADHIKA BAKSHI (DIRECTOR)



MANASTHITI

In collaboration with




Presents

SHUTTERED STIGMA

Photography Competition

📅 23rd February 2024 ⌚ 10:00 AM 📍 Room 1005

Patron
Prof. (Dr.) Radhika Bakshi (Director)

Teacher In-charge
Prof. Veenu Wadhwa
Dr. Shashi Shukla
Dr. Deepthi Gupta

Scan the code to register yourself!



Utkarshita (Voices President) 98115 11224	Parul (Voices Vice President) 90139 45525	Riya Sharma (Iridescence Vice President) 98683 64100	Saniya Idris (Iridescence Secretary) 93106 91992
-------------------------------------------------	-------------------------------------------------	------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------



MANASTHITI

In collaboration with




Presents

EMOTICOM

A Comic Strip Writing Competition

📅 23rd February 2024 ⌚ 10:00 AM 📍 Room 1004

Patron
Prof. (Dr.) Radhika Bakshi (Director)

Teacher In-charge
Prof. Veenu Wadhwa
Dr. Shashi Shukla
Dr. Deepthi Gupta

Scan the code to register yourself!



Utkarshita (Voices President) 98115 11224	Parul (Voices Vice President) 90139 45525	Riya Sharma (Iridescence Vice President) 98683 64100	Saniya Idris (Iridescence Secretary) 93106 91992
-------------------------------------------------	-------------------------------------------------	------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------



Academic Fest 2023-2024

The HDCS department organized a two-day Academic Festival in February 2023. This was a major event this year as VOICES - The Mental Health Society was celebrating its fifth anniversary and many of the events were organized commemorating this. The students participated with great enthusiasm, eager to make the most of the exciting interactions. Some of the sessions that were held for students included lectures, competitions and workshops on Mindfulness and mental health, story-telling, gender and disability.

Day 1 of the academic fest began with a very interesting talk by Dr. Sanjana Simon. In the talk titled “Trancending Boundaries: Exploring Lived Experiences and the Transgender Act 2019, she shared her life experiences that led her to become the person that she is today.

This session was followed a talk on LGBTQIA+ and Wellbeing by Ms. Pranjali Nazariya. She talked about the acronym LGBTQIA+ and the importance of sexuality and its understanding that people have today while connecting it to the importance of wellbeing. This talk was followed by a street play focusing on lives of transgenders in India.

Another very interesting session organized during the academic fest was on Life Skills Education for gender equality and parity that was conducted by Ms. Geetika Aggarwal from 'Room to Read.' This session talked about gender equity and parity and navigated college students to work with diverse communities.

The day ended with a competition – Kaleidoscopic Images of Childhood – A photographic celebration of Diversity.

Day 2, titled Manasthiti, was an equally interesting day.

It began with a session on the Art of Story Telling by Ms. Archana Chandel from Delhi Story tellers Tribe. She focused the Japanese Art of Story Telling and Street Theatre – Kamishibai. This art combines a set of standard sized illustrated cards with a scripted performance by a narrator. This session was very useful for students studying Early Childhood and Development as well as Content Development.

A series of competitions were organized for the second day. These included –

- Kaho Kahani – A story telling competition
- Shutterbug Stigma – Photography Competition
- Emoticon - Comic strip competition
- Ankahi - Open Mic Competition
- Bediyan - Theatre Competition

Each one of these competitions focused on the issues related to and the awareness of the importance of mental health.

A session by Ms. Sonam Sachdeva on 'Sensitivity to Disability' was also organized towards the end of the day.

The culmination of the academic fest came through various sessions on Music Therapy where soulful music presentations were given by Ms. Sana Arora, Mr. Ritvik and Mr. Kunal Thakur.

सत्रों की रिपोर्ट

1. घटना का नाम- सीमाओं का अतिक्रमण

समय- सुबह 10:30 बजे से

स्थान-सम्मेलन कक्ष

संसाधन व्यक्ति- सुश्री संजना साइमन

उपस्थित लोगों की संख्या- 80-100

दिनांक - 22.02.2023

कार्यशाला के बारे में

डॉ. संजना साइमन ने अपने बचपन के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्हें लैंगिक अपेक्षाओं के कारण घुटन और सीमितता महसूस होती थी। उनके चुनौतीपूर्ण बचपन में स्त्री पहचान के प्रति गहरा प्रेम था, फिर भी उन्हें अपने परिवार से अस्वीकृति का सामना करना पड़ा। आखिरकार उन्होंने शिक्षा को अपने जीवन की कमान संभालने के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया और तमाम कठिनाइयों से गुज़रने के बावजूद अपने करियर में महान उंचाइयां हासिल कीं।

फिर हमने 2019 के ट्रांसजेंडर अधिनियम, या संरक्षण अधिनियम के बारे में चर्चा की, जिसने 2019 में ध्यान आकर्षित किया और 2020 में लागू किया गया। इस अधिनियम में दो मुख्य घटक शामिल हैं। सबसे पहले, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की पहचान उनकी स्वयं की घोषणा के आधार पर की जानी चाहिए न कि गलत उच्चारण के आधार पर। दूसरे पहलू में उनके लिए ट्रांसजेंडर कार्ड या टीजी कार्ड के लिए आवेदन करने का विकल्प शामिल है। कुल मिलाकर, इस आयोजन ने शिक्षा और व्यक्तिगत दृढ़ संकल्प की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करते हुए एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

Name of the event- Transcending boundaries

Time- 10:30 Am onwards

Venue- Conference room

Resource person- Ms. Sanjana Simon

No. of People attended- 80-100

Date - 22.02.2023

About workshop

Dr Sanjana Simon shared her journey childhood experience about how she felt suffocated and confined by gender expectations. Her challenging childhood was marked by a deep love for a feminine identity, yet she faced rejection from her family. She finally used education as a tool to take command of her life and achieved great heights in her career despite going through all the hardships.

Then we had discussions about Transgender Act of 2019, or the Protection Act, which gained attention in 2019 and was implemented in 2020. This act comprises two main components. Firstly, transgender individuals should be identified based on their own declaration and not mispronunciation. The second aspect involves the option for them to apply for a transgender card or TG card. Overall, the event left a lasting impact, showcasing the transformative power of education and personal determination.





2. आयोजन का नाम - LGBTQIA+ और भलाई पर बातचीत
समय- दोपहर 12:00 बजे से

स्थान-सम्मेलन कक्ष

संसाधन व्यक्ति - श्री सौरव और सुश्री प्रांजलि

उपस्थित लोगों की संख्या - 80-100

दिनांक- 22.02.2023

कार्यशाला के बारे में

LGBTQIA+ मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के साथ 22 फरवरी को आयोजित एचडीएफसी अकादमिक उत्सव में नाज़रिया के संसाधन व्यक्तियों सौरव और प्रांजलि द्वारा व्यावहारिक सत्र प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन का उद्देश्य अकादमिक समुदाय के भीतर जागरूकता पैदा करना और समावेशिता को बढ़ावा देना है। 22 फरवरी को एचडीएफसी एकेडमिक फेस्ट एलजीबीटीक्यूआईए+ मुद्दों पर केंद्रित था, जिसमें नाज़रिया से सौरव और प्रांजलि के सत्र शामिल थे। सौरव, एक इंटरसेक्शनल क्वीर नॉन-बाइनरी व्यक्ति, ने जीवन के अनुभव साझा किए, जबकि मानसिक स्वास्थ्य अधिवक्ता प्रांजलि ने कल्याण पर प्रकाश डाला। खेल में उपस्थित लोग मतभेदों की खोज में लगे हुए हैं, समझ को बढ़ावा दे रहे हैं। बातचीत में लिंग, कामुकता को संबोधित किया गया और खुली बातचीत, सहयोग और सही सर्वनाम के उपयोग के महत्व को प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता, समावेशिता पैदा करना और LGBTQIA+ समुदाय के विविध अनुभवों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

Name of the event - Talk on LGBTQIA+ and wellbeing

Time- 12:00 PM onwards

Venue- Conference room

Resource persons – Mr. Saurav and Ms. Pranjali

No. of people attended - 80-100

Date- 22.02.2023

About Workshop

The HDFC Academic Fest held on 22nd February, with a special focus on LGBTQIA+ issues, featured insightful sessions by resource persons Saurav and Pranjali from Nazariya. The event aimed to create awareness and foster inclusivity within the academic community. The HDFC Academic Fest on February 22 focused on LGBTQIA+ issues, featuring sessions by Saurav and Pranjali from Nazariya. Saurav, an intersectional Queer Non-binary individual, shared life experiences, while Pranjali, a mental health advocate, highlighted well-being. Attendees engaged in a game exploring differences, fostering understanding. The talk addressed gender, sexuality, and encouraged open conversations, allyship, and the importance of using correct pronouns. The event aimed at creating awareness, inclusivity, and providing valuable insights into the LGBTQIA+ community's diverse experiences.





3. कार्यक्रम/प्रदर्शन का नाम- जेनमैन (थिएटर)
समय- दोपहर 1:00 बजे से दोपहर 1:45 बजे तक
स्थान- रंगभूमि
संसाधन व्यक्ति/समूह- अवारन थिएटर ग्रुप
उपस्थित लोगों की संख्या- 150-200
दिनांक - 22.02.2023

कार्यशाला के बारे में

22 फरवरी को मानव विकास और बचपन अध्ययन (एचडीसीएस) अकादमिक उत्सव LGBTQIA+ समुदाय पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली कार्यक्रम था। उत्सव में एक प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्ति के साथ एक गहन सत्र आयोजित किया गया, जिसने तीसरे लिंग के जीवन के अनुभवों और चुनौतियों के बारे में अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। अपने विचारोत्तेजक प्रदर्शनों के लिए प्रसिद्ध एवरान थिएटर ग्रुप ने 45 मिनट के मनमोहक थिएटर प्रदर्शन के साथ केंद्र मंच पर कब्जा कर लिया। अपने सशक्त चित्रण के माध्यम से, समूह ने तीसरे लिंग की यात्रा के जटिल पहलुओं पर प्रकाश डाला और इस हाशिए पर रहने वाले समुदाय के संघर्षों और जीत पर प्रकाश डाला।

थिएटर प्रदर्शन ने LGBTQIA+ स्पेक्ट्रम के भीतर व्यक्तियों के जीवित अनुभवों को कलात्मक रूप से चित्रित किया, एक मार्मिक कथा प्रस्तुत की जो दर्शकों को पसंद आई। आरन थिएटर ग्रुप ने भावनाओं, चुनौतियों और लचीलेपन के क्षणों को सामने लाते हुए तीसरे लिंग के जीवन की जटिलताओं को कुशलता से प्रस्तुत किया। उपस्थित लोगों का न केवल मनोरंजन हुआ बल्कि उन्हें LGBTQIA+ समुदाय के सामने आने वाले सामाजिक मुद्दों की गहन समझ भी प्राप्त हुई। उत्सव ने दर्शकों के बीच जागरूकता और सहानुभूति को बढ़ावा देते हुए, खुले संवाद के लिए सफलतापूर्वक एक मंच तैयार किया

Name of the event/Performance- Janeman (Theatre)

Time- 1:00pm- 1:45pm

Venue- amphitheater

Resource person/group- Awaran Theater group

No of people attended- 150-200

Date - 22.02.2023

About workshop

The Human Development and Childhood Studies (HDCS) Academic Fest on 22nd February was an enlightening and impactful event centered around the LGBTQIA+ community. The fest featured a profound session with a distinguished resource person who shared invaluable insights into the life experiences and challenges faced by the third gender. The Aavran Theater Group, renowned for their thought-provoking performances, took center stage with a captivating 45-minute theater performance. Through their powerful portrayal, the group delved into the intricate facets of the third gender's journey, shedding light on the struggles and triumphs of this marginalized community.

The theater performance artfully depicted the lived experiences of individuals within the LGBTQIA+ spectrum, offering a poignant narrative that resonated with the audience. The Aavran Theater Group skillfully navigated the complexities of the third gender's life, bringing forth emotions, challenges, and moments of resilience. Attendees were not only entertained but also gained a profound understanding of the social issues faced by the LGBTQIA+ community. The fest successfully created a platform for open dialogue, fostering awareness and empathy among the audience.





4. आयोजन का नाम- जीवन कौशल शिक्षा वार्ता
समय - दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक

स्थान-सम्मेलन कक्ष

संसाधन व्यक्ति - डॉ. गीतिका अग्रवाल और सुश्री निधि गौड़

उपस्थित लोगों की संख्या- 50-70

दिनांक - 22.02.2023

कार्यशाला के बारे में

22 फरवरी को मानव विकास और बचपन अध्ययन (एचडीसीएस) अकादमिक उत्सव जीवन कौशल शिक्षा पर केंद्रित एक परिवर्तनकारी कार्यक्रम था, जिसमें रूम टू रीड संगठन की सुश्री गीतिका अग्रवाल और सुश्री निधि गौड़ की व्यावहारिक बातचीत शामिल थी। यह सत्र वास्तविक जीवन के अनुभवों पर प्रकाश डालता है, व्यक्तियों को उनकी यात्रा में आने वाली चुनौतियों और विजयों पर चर्चा करता है। बालिका शिक्षा कार्यक्रम की अधिकारी के रूप में सुश्री गीतिका अग्रवाल ने जीवन कौशल की गहन समझ प्रदान करने वाली सम्मोहक कहानियाँ साझा कीं। जेंडर मेनस्ट्रीमिंग में वरिष्ठ अधिकारी सुश्री निधि गौड़ ने व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में जीवन कौशल के महत्व पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की।

दोनों वक्ताओं ने अपने व्यापक अनुभवों से ऐसी कहानियाँ बुनीं जो दर्शकों को पसंद आईं। सत्र ने न केवल व्यक्तिगत विकास पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान किया बल्कि जीवन कौशल प्रदान करने के सामाजिक प्रभाव पर भी जोर दिया। उपस्थित लोगों ने जीवन की चुनौतियों से निपटने में सक्षम पूर्ण व्यक्तियों को आकार देने में जीवन कौशल शिक्षा की भूमिका की गहरी सराहना की। यह आयोजन एक जीवंत प्रश्नोत्तर सत्र के साथ संपन्न हुआ, जिससे वक्ताओं और दर्शकों के बीच एक आकर्षक

संवाद को बढ़ावा मिला। एचडीसीएस अकादमिक उत्सव व्यक्तिगत और सामुदायिक विकास में जीवन कौशल शिक्षा के महत्व की खोज के लिए एक समृद्ध वातावरण बनाने में सफल रहा।

Name of the event- Life Skill Education talk

Time - 2:00PM-4:00PM

Venue- Conference room

Resource person - Dr Geetika Aggarwal and Ms. Nidhi gaur

No. Of people attended- 50-70

Date - 22.02.2023

About workshop

The Human Development and Childhood Studies (HDCS) Academic Fest on February 22nd was a transformative event focused on life skill education, featuring insightful talks by Ms. Geetika Aggarwal and Ms. Nidhi Gaur from Room to Read organization. The session delved into real-life experiences, addressing the challenges and triumphs individuals encounter in their journey. Ms. Geetika Aggarwal, as Officer of Girl's Education Program, shared compelling narratives, offering a profound understanding of life skills. Ms. Nidhi Gaur, Senior Officer in Gender Mainstreaming, contributed valuable insights on the importance of life skills in fostering personal and social development.

Both speakers drew from their extensive experiences, weaving stories that resonated with the audience. The session not only provided a platform for reflection on personal growth but also emphasized the societal impact of imparting life skills. Attendees gained a deeper appreciation for the role of life skill education in shaping well-rounded individuals capable of navigating life's challenges. The event concluded with a vibrant Q&A session, fostering an engaging dialogue between the speakers and the audience. The HDCS Academic Fest succeeded in creating an enriching environment for exploring the significance of life skill education in personal and community development.





दूसरा दिन

5. आयोजन का नाम- कहानी सुनाना एवं कहानी सृजन कार्यशाला (23-2-23)

समय - सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक

स्थान-सम्मेलन कक्ष

संसाधन व्यक्ति - श्रीमती अर्चना चंदेल

उपस्थित लोगों की संख्या- 80-100

दिनांक - 23.02.2023

कार्यशाला के बारे में

23 फरवरी को आयोजित एचडीएफसी अकादमिक उत्सव में सम्मानित संसाधन व्यक्ति, सुश्री अर्चना चंदेल द्वारा कहानी कहने और कहानी निर्माण पर एक ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया गया। बच्चों के पुस्तकालयों की स्थापना और प्रभावशाली कार्यशालाओं के संचालन में अपने सराहनीय कार्य के लिए प्रसिद्ध, सुश्री चंदेल ने बहुत सारी अंतर्दृष्टि साझा कीं। कहानी कहने के विभिन्न तरीकों में गहराई से उतरते हुए, उन्होंने एक शक्तिशाली शैक्षिक उपकरण के रूप में कहानी कहने की शक्ति का प्रदर्शन करते हुए, अपनी गतिशील कथा शैलियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सुश्री चंदेल ने अपने सत्र में जीवन के अनुभवों को सहजता से एकीकृत किया, जिससे दर्शकों के लिए एक भरोसेमंद और आकर्षक मंच उपलब्ध हुआ। उपाख्यानो और वास्तविक जीवन की घटनाओं के माध्यम से, उन्होंने व्यक्तिगत कहानियों को व्यापक विषयों से जोड़ने, विविध दृष्टिकोणों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। जीवन के अस्तित्व संबंधी प्रश्नों को सुलझाने की रुचि रखने वाली एक कहानीकार के रूप में, सुश्री चंदेल के सत्र ने पारंपरिक सीमाओं को पार कर सभी प्रतिभागियों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। उनकी विशेषज्ञता ने न केवल रचनात्मकता को प्रेरित किया बल्कि युवा शिक्षार्थियों के दिमाग को आकार देने पर कहानी कहने के गहरे प्रभाव पर भी जोर दिया। कुल मिलाकर, सुश्री अर्चना चंदेल के समृद्ध योगदान की बदौलत यह आयोजन कहानी कहने की कला में एक मूल्यवान खोज साबित हुआ।

Second day

23.02.2023

Name of the event- Story telling and story creation workshop (23.02.2023)

Time - 10:00Am- 1:00PM

Venue- Conference room

Resource person - Mrs. Archana Chandel

No. Of people attended- 80-100

Date - 23.02.2023

About workshop

The HDFC Academic Fest conducted on 23rd February featured an enlightening session on storytelling and story creation by the esteemed resource person, Ms. Archana Chandel. Renowned for her commendable work in establishing children's libraries and conducting impactful workshops, Ms. Chandel shared a wealth of insights. Delving into various storytelling methods, she captivated the audience with her dynamic narrative styles, showcasing the power of storytelling as a potent educational tool.

Ms. Chandel seamlessly integrated life experiences into her session, providing a relatable and engaging platform for the audience. Through anecdotes and real-life events, she underscored the significance of connecting personal stories to broader themes, fostering a deeper understanding of diverse perspectives. As a storyteller with a penchant for navigating life's existential questions, Ms. Chandel's session transcended conventional boundaries, leaving a lasting impact on all participants. Her expertise not only inspired creativity but also emphasized the profound impact storytelling can have on shaping the minds of young learners. Overall, the event proved to be a valuable exploration into the art of storytelling, thanks to Ms. Archana Chandel's enriching contributions.

6. समय - सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
स्थान- एम्फीथियेटर

निर्णायक- डॉ. शशि शुक्ला एवं डॉ. दीप्ति गुप्ता

प्रतिभागियों की संख्या- 10

दिनांक - 23.02.2023

कार्यशाला के बारे में

23 फरवरी को मानव विकास और बचपन अध्ययन (एचडीसीएस) अकादमिक उत्सव में "बचपन की बहुरूपदर्शक छवियां" नामक एक आकर्षक फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जहां 10 प्रतिभागियों ने अपने अद्वितीय दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों के नजरिये से बचपन के विविध पहलुओं को प्रदर्शित करना था। बहुरूपदर्शक विषय ने प्रवेशकों को जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण के ज्वलंत और हमेशा बदलते सार को चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रतिभागियों ने बचपन की अपनी व्याख्याओं को सामने लाने के लिए विभिन्न शैलियों और तकनीकों का उपयोग करते हुए उल्लेखनीय रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। स्पष्ट क्षणों से लेकर कल्पनाशील रचनाओं तक, तस्वीरें बड़े होने की यात्रा में निहित मासूमियत, जिज्ञासा और गतिशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं।

सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद, निर्णायक पैनल ने तीन विजेताओं का चयन किया जिनकी प्रविष्टियाँ उनकी असाधारण कहानी कहने और दृश्य अपील के लिए उल्लेखनीय थीं। इस कार्यक्रम ने न केवल फोटोग्राफी की कला का जश्न मनाया, बल्कि हमारे प्रतिभाशाली प्रतिभागियों के लेंस के माध्यम से कैद किए गए बचपन की बहुमुखी प्रकृति पर एक मार्मिक प्रतिबिंब भी प्रस्तुत किया।

Name of the event/competition- Kaleidoscopic images of childhood

Time - 11:30 Am onwards till 1:00 Pm

Venue- Amphitheater

Judges- Dr. Shashi Shukla and Dr. Deepti Gupta

No. Of participants- 10

Date - 23.02.2023

About workshop

The Human Development and Childhood Studies (HDCS) Academic Fest on 23rd February featured an enthralling photography competition titled "Kaleidoscopic Images of Childhood," where 10 participants showcased their unique perspectives. The competition aimed to capture the diverse facets of childhood through the lens of the participants. The kaleidoscopic theme encouraged entrants to portray the vivid and ever-changing essence of this pivotal phase of life.

The participants displayed remarkable creativity, employing a variety of styles and techniques to bring forth their interpretations of childhood. From candid moments to imaginative compositions, the photographs eloquently reflected the innocence, curiosity, and dynamism inherent in the journey of growing up.

After careful evaluation, the judging panel selected three winners whose entries stood out for their exceptional storytelling and visual appeal. The event not only celebrated the art of photography but also provided a poignant reflection on the multifaceted nature of childhood captured through the lenses of our talented participants.

7. समय - सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
स्थान- एम्फीथियेटर

निर्णायक- डॉ. शशि शुक्ला एवं डॉ. दीप्ति गुप्ता

प्रतिभागियों की संख्या- 10

दिनांक - 23.02.2023

कार्यशाला के बारे में

बचपन की थीम पर केंद्रित "कहो कहानी" कहानी प्रतियोगिता 23 फरवरी 2023 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अमोही थिएटर में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 10 कहानीकारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, प्रत्येक कहानी में बचपन की मासूमियत, खुशी और चुनौतियों को समाहित किया गया था।

प्रतिष्ठित न्यायाधीशों, डॉ. शशि शुक्ला और डॉ. दीप्ति गुप्ता ने प्रतिभागियों की कहानी कहने की क्षमता का मूल्यांकन करते हुए अपनी विशेषज्ञता को सामने लाया। एक अंतर-कॉलेज कार्यक्रम के रूप में तैयार की गई इस प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों से कहानीकार शामिल हुए। विशेष रूप से, मेजबान संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स से दो विजेता उभरे, जिन्होंने कॉलेज समुदाय के भीतर कहानी कहने की प्रतिभा की गहराई का प्रदर्शन किया।

प्रथम पुरस्कार का दावा एक मनोरम कथा द्वारा किया गया जो खूबसूरती से पुरानी यादों और कल्पना को आपस में जोड़ती है। दूसरा पुरस्कार मोती लाल नेहरू कॉलेज में मिला, जहां एक सम्मोहक कहानी दर्शकों को पसंद आई। भाग लेने वाले एक अन्य कॉलेज के तीसरे विजेता ने दिल को छू लेने वाली कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम ने न केवल विषय की विविध व्याख्याओं का जन्म मनाया बल्कि प्रतिभाशाली प्रतिभागियों के बीच मौजूद समृद्ध कहानी कहने की परंपरा पर भी प्रकाश डाला

Name of the event/competition- Kaho Kahani

Time - 11:30 Am onwards till 1:00 Pm

Venue- Amphitheater

Judges- Dr. Shashi Shukla and Dr. Deepti Gupta

No. Of participants- 10

Date - 23.02.2023

About workshop

The "Kaho Kahani" storytelling competition, centered around the theme of childhood, unfolded at the Amohi Theater on 23rd February 2023, from 11:30 AM onwards until 1:00 PM. The event saw enthusiastic participation from 10 storytellers, each weaving narratives that encapsulated the innocence, joy, and challenges of childhood.

Distinguished judges, Dr. Shashi Shukla and Dr. Deepti Gupta, brought their expertise to the forefront, evaluating the participants' storytelling prowess. The competition, designed as an inter-college event, drew storytellers from various institutions. Notably, two winners emerged from the host institution, the Institute of Home Economics, showcasing the depth of storytelling talent within the college community.

The first prize was claimed by a captivating narrative that beautifully intertwined nostalgia and imagination. The second prize found its home at Moti Lal Nehru College, where a compelling story resonated with the audience. The third winner, from another participating college, enchanted the audience with a tale that tugged at the heartstrings. The event not only celebrated the diverse interpretations of the theme but also highlighted the rich storytelling tradition present among the talented participants.